

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
वित्तीय सेवाएं विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 9

जिसका उत्तर सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक) को दिया गया

किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत ऋण की राशि

9. श्री विशालदादा प्रकाशबाबू पाटील:

श्री बैन्नी बेहनन:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने के लिए पात्र लाभार्थियों की कुल संख्या कितनी है;
- (ख) अब तक वर्ष-वार और राज्य-वार कुल कितने किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए हैं;
- (ग) इस योजना के अंतर्गत विगत 5 वर्षों के दौरान वर्ष-वार कितना बजटीय आबंटन किया गया और कितनी राशि व्यय की गई है;
- (घ) विगत 5 वर्षों में केसीसी योजना के अंतर्गत वर्ष-वार कुल बकाया ऋण राशि कितनी है; और
- (ङ) क्या सरकार केसीसी योजना के अंतर्गत बढ़ती कुल बकाया राशि को कम करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ङ.): उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले 5 वर्षों के दौरान जारी किए गए किसान क्रेडिट कार्डों (केसीसी) की कुल संख्या का वर्ष-वार और राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध-1 में दिया गया है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) के अंतर्गत बजट आबंटन और निधियों के संवितरण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(रु. करोड़ में)

क्रम सं.	वर्ष	बजट आबंटन	निधियों का संवितरण
1	2019-20	16236.86	16218.75
2	2020-21	19831.75	17789.72
3	2021-22	21476.93	21476.93
4	2022-23	19700.00	17997.88
5	2023-24	18500.00	14251.92

पिछले 5 वर्षों में केसीसी योजना के तहत कुल बकाया ऋण राशि निम्नानुसार है:

वर्ष	ऑपरेटिव खातों में बकाया कुल राशि करोड़ में
2019-20	6,97,018
2020-21	7,53,133
2021-22	9,37,612
2022-23	8,85,921
2023-24	9,81,764

आरबीआई के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार, किसानों को केसीसी के नवीकरण के समय ब्याज और मूलधन दोनों का भुगतान करना होता है। केसीसी के ऑपरेटिव खातों में बकाया राशि के समय पर पुनर्भुगतान को बढ़ावा देने के लिए, किसानों को 3% की ब्याज छूट शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन के रूप में प्रदान की जाती है।

दिनांक 22.7.2024 को लोक सभा में उत्तर देने हेतु “किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत ऋण की राशि” के संबंध में अतारांकित प्रश्न संख्या 9 के भाग (क) से (ड.) में संदर्भित विवरण

क्रम सं.	राज्य	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24*
1	अंडमान और निकोबार	269	1,190	1,099	508	12,767
2	आन्ध्र प्रदेश	9,88,893	5,87,158	6,53,555	6,79,777	7,16,670
3	अरुणाचल प्रदेश	2,199	701	2,302	2,098	5,075
4	असम	2,78,619	41,108	65,353	64,813	1,45,563
5	बिहार	2,30,398	91,905	1,24,124	1,03,408	1,61,942
6	चण्डीगढ़	765	334	294	287	462
7	छत्तीसगढ़	3,11,321	1,44,578	1,11,444	3,06,195	1,64,183
8	दादरा और नगर हवेली	79	377	878	393	218
9	दमन एवं दीव	22				
10	दिल्ली	1,498	368	538	651	1,833
11	गोवा	2,784	2,019	1,356	3,378	2,095
12	गुजरात	3,38,716	3,55,699	3,02,541	3,76,241	3,49,448
13	हरियाणा	2,30,386	1,56,148	2,05,971	2,22,170	2,16,842
14	हिमाचल प्रदेश	69,856	53,468	58,975	74,149	1,28,253
15	जम्मू एवं कश्मीर	3,67,826	49,151	73,246	44,231	2,21,151
16	झारखंड	2,03,222	62,664	1,26,469	1,90,419	66,542
17	कर्नाटक	8,08,694	9,17,530	6,76,701	10,23,601	10,63,492
18	केरल	3,57,131	5,99,728	6,28,630	9,19,680	12,04,136
19	लद्दाख	-	102	17,379	1,005	615
20	लक्षद्वीप	58	159	622	3,834	6,477
21	मध्य प्रदेश	5,57,059	3,57,290	3,74,448	5,76,515	4,12,725
22	महाराष्ट्र	6,95,628	10,62,692	7,29,727	7,13,375	5,44,280
23	मणिपुर	2,964	3,730	3,273	4,013	1,786
24	मेघालय	12,244	6,965	12,916	13,006	17,485
25	मिजोरम	4,719	8,295	7,404	8,231	15,569
26	नागालैण्ड	8,312	1,895	5,218	10,040	8,495
27	उड़ीसा	3,14,733	1,63,963	1,36,817	1,79,862	1,91,597
28	पुद्दुचेरी	1,699	3,908	5,245	7,749	16,180
29	पंजाब	2,82,311	1,54,222	2,28,445	3,07,134	2,59,427
30	राजस्थान	10,30,272	10,13,048	5,43,638	6,61,477	6,42,111
31	सिक्किम	1,743	782	1,709	2,825	41,494
32	तमिलनाडु	3,81,302	4,24,247	7,20,158	9,68,967	11,67,822
33	तेलंगाना	6,61,450	3,78,865	4,60,656	5,41,431	7,22,352
34	त्रिपुरा	95,687	44,245	4,204	15,967	4,55,459
35	उत्तराखंड	1,00,556	58,224	43,379	1,04,218	76,350
36	उत्तर प्रदेश	20,25,254	11,07,867	9,84,679	13,92,338	15,06,254
37	पश्चिम बंगाल	5,22,877	3,71,535	1,64,733	1,99,581	1,60,118
	कुल	1,08,91,546	82,26,160	74,78,126	97,23,567	1,07,07,268

* वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आंकड़े अनंतिम